Hindustan-New Delhi-10-06-2011

कॉलेजों को मिलेगा यूनिवर्सिटी का रुतबा

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

आने वाले समय में कॉलेजों की जगह विश्वविद्यालय ही होंगे। सरकार की योजना कॉलेजों की गुणवत्ता में सुधार करके उन्हें विश्वविद्यालय का दर्जा देने की है। पहले चरण में करीब पांच सौ चुनिंदा कॉलेजों को विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। उसके बाद तीन सालों के भीतर चरणबद्ध तरीके से कॉलेजों को अपनी गुणवत्ता सुधार कर विवि का दर्जा हासिल करना होगा।

जो कॉलेज यूजीसी के मानकों के अनुरूप नहीं होंगे, उन्हें कम्युनिटी कॉलेज बनाकर उनमें वोकेशनल ट्रेनिंग कोर्स शुरू किए जाएंगे। इस कवायद के पीछे मकसद है कि विश्वविद्यालयों में शिक्षण कार्य बेहतर हो और वे रिसर्च गतिविधियों का भी केंद्र बनें।

यूजीसी के चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश के अनुसार, देश में करीब चार सौ विश्वविद्यालय हैं और उनसे संबद्ध कॉलेजों की संख्या करीब 31 हजार है। उस्मानिया जैसे विवि तो ऐसे हैं, जिनसे एक-एक हजार कॉलेज संबद्ध हैं। ऐसे में विवि की भूमिका परीक्षा आयोजित करने की रह गई है, जो चिंताजनक है। कॉलेजों की संबद्धता प्रक्रिया को पहले कम किया जाएगा, फिर धीरे-धीरे इसे खत्म कर दिया जाएगा। पहले चरण में तीन मानकों के आधार पर कॉलेजों का चयन किया जाएगा। इनमें यूजीसी द्वारा घोषित बेहतरीन कॉलेज, स्वायत्त कॉलेज तथा नैक की ए ग्रेडिंग पाने वाले कॉलेज शामिल होंगे। यदि इन कॉलेजों में अच्छी फैकल्टी तथा बुनियादी ढांचा है तो इन्हें सीधे विवि बना दिया जाएगा। इस श्रेणी में करीब पांच सौ कॉलेज आ जाएंगे। जो कॉलेज आस-पास हैं, उन्हें भी जोड़कर विवि बना दिया जाएगा। बाकी जो कॉलेज बचेंगे, उन्हें तीन साल के भीतर गुणवत्ता सुधारनी होगी।

सुधार की पहल

- विश्वविद्यालयों से कॉलेजों के एफिलिएशन की परंपरा खत्म करने की तैयारी
- गुणवत्ता के मानक तय होंगे, इन्हें पूरा करने पर ही विवि का दर्जा, पहले चरण में 500 कॉलेजों की बारी

खास खबर